इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

सुहाग सौभाग्य प्रदायक वट सावित्री प्रयोग

19 मई वट सावित्री व्रत

यह प्रयोग सम्पन्न करने पर घर के सदस्यों के बीच आपसी तारतम्यता बनने लगती है तथा उनकी मानसिकता में परिवर्तन आने लगता है, उनके मध्य प्रेम और सौहार्द का वातावरण उपस्थित होने लगता है। घर के सदस्यों की **अकाल मृत्यु योग से निवारण** हो पाता है साथ ही साथ पति, पुत्र व कुटुम्ब की पूर्ण रक्षा व सुख प्राप्ति हो पाती है। घर-परिवार की अटूट **सुख-शांति,** समृद्धि व सर्वोन्नति के लिये यह प्रयोग महत्वपूर्ण है। पूर्ण गृहस्थ सुख का आनन्द प्राप्त करने हेतु यह प्रयोग सर्वश्रेष्ठ है।

शिव सायुज्य धूमावती साधना

28 मई धूमावती जयंती

धूमावती साधना एक प्रचण्ड और अचूक साधना है, जिसे यदि सही तरह सम्पन्न किया जाये तो इसका निशाना खाली नहीं जाता। शिव युक्त होने से धूमावती साधना सौम्य रूप ले लेती है, परन्तु इसका प्रभाव और भी अधिक बढ़ जाता है। इस साधना से **तंत्र बाधा, शत्रु बाधा, गम्भीर रोग, भूत-प्रेत** आदि सभी नकारात्मक स्थितियों का शमन होता है। इस साधना से साधक को धूमावती का विशेष सुरक्षा चक्र प्राप्त होता है, जिससे **अकाल मृत्यु** या **दुर्घटना** नहीं हो सकती।

विष्णु वैभव प्रयोग

31 मई निर्जला एकादशी

भगवान विष्णु सकल जगत को चलाने वाले आदिदेव है। संसार के समस्त कार्य मात्र भगवान विष्णु की शक्ति से ही गतिशील हैं। इस साधना के माध्यम से साधक के संकल्पित कार्य पूर्ण होते ही हैं। इस साधना से साधक का व्यक्तित्व भी आकर्षक हो जाता है। यह साधना पूर्ण भौतिक उन्नति का साधन है। इस साधना से भगवती लक्ष्मी भी सिद्ध हो जाती हैं। साथ ही इस साधना से मोक्ष मार्ग भी प्रशस्त होता है।

तीव्र बटुक भैरव प्रयोग

10 जून कालाष्टमी

भैरव को भगवान शिव का ही एक रूप माना गया है। बटुक भैरव की साधना मुख्यत: इन कारणों से की जाती है- 1) मुकदमें में विजय प्राप्ति के लिये, 2) पूर्ण पौरूषता प्राप्ति के लिये, 3) किसी भी प्रकार की बाधा जैसे राज्य बाधा, प्रमोशन अथवा ट्रांसफर में आ रही बाधा की निवृत्ति हेतु, 4) किसी भी प्रकार के तांत्रिक प्रयोग या बाधा को समाप्त करने हेतु तथा शत्रुओं को निष्प्रभावी करने हेतु।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।